बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में हाथियों की दुर्घटनाएँ

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में **मध्य प्रदेश के** [बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व](#) **(Bandhavgarh Tiger Reserve (BTR)) में चार हाथी मृत पाए गए** और पाँच अन्य गंभीर रूप से बीमार पाए गए हैं।

- [प्रोजेक्ट एलीफेंट](#) द्वारा 2017 की जनगणना के अनुसार भारत में **जंगली एशियाई हाथियों की सबसे अधिक** अनुमानित संख्या 29,964 है।
    - **कर्नाटक में** हाथियों की संख्या सबसे अधिक है, उसके बाद **असम और केरल का स्थान है।**

बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व:

- यह **मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले** में स्थित है और **विंध्य पहाड़ियों** पर विस्तृत है।
    - यह ऐतिहासिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, जिसका प्रमाण **प्रसिद्ध** [बांधवगढ़ किले](#) के साथ-साथ संरक्षित क्षेत्र में मौजूद अनेक गुफाएँ, शैलचित्र और नक्काशी है।
- यह [रॉयल बंगाल टाइगर्स](#) के लिये जाना जाता है।
- वर्ष 1968 में इसे राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया तथा 1993 में प्रोजेक्ट टाइगर नेटवर्क के तहत पड़ोसी पनपथा अभयारण्य में बाघ अभयारण्य घोषित किया गया।
    - महत्त्वपूर्ण शिकार प्रजातियों में **चीतल,** सांभर, **भौंकने वाले हिरण,** नीलगाय, **चिंकारा**, **जंगली सुअर,** चौसिंघा, **लंगूर** और **रीसस मकाक** शामिल हैं।
    - **बाघ, तेंदुआ,** जंगली कुत्ता, **भेड़िया** और सियार जैसे प्रमुख शिकारी इन पर निर्भर हैं।

//

अधकि पढ़ें: [मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/elephant-casualties-in-bandhavgarh-tiger-reserve